RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 23 अप्रैल 2025 वर्ष 07 अंक 05 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

उल्हासनगर में २१४ खतरनाक इमारतें, नोटिस जारी...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए आतंकी हमले

श्रीनगर पहुंचे अमित शाह

हमले में लगातार बढ़ रही मृतकों की संख्या, 27 ने गंवाई जान!

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए आतंकी हमले में 27 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है. मरने वालों में दो विदेशी भी शामिल हैं. एक शख्स इजरायल और एक इटली का रहने वाला है. गृह मंत्री अमित शाह इस वक्त श्रीनगर पहुंच चुके हैं.

बताया जा रहा है कि कुल चार आतंकियों ने इस वारदात को अंजाम दिया, जिसमें से तीन पाकिस्तानी और एक लोकल कश्मीरी है. जब दोपहर को यह वारदात हुई तब सैलानी वहां घुड़सवारी कर रहे थे. तभी आतंकी वहां पहुंचे और उन्होंने पंजाबी में टूरिस्ट से उनका मजहब पूछा. पहचान स्थापित होने के बाद लोगों को मौत के घाट उतारा गया. इस दौरान करीब 50 राउड फायरिंग की गई.

सूत्रों के मुताबिक मरने वालों में अधिकांश पुरुष हैं. मंगलवार दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर बड़ा हमला कर दिया. पर्यटकों का नाम पूछ-पूछकर आर्तकियों ने उनपर गोली चलाई. अनंतनाग जिले के बैसरन घाटी के ऊपरी इलाकों में टूरिस्ट घूम रहे थे, तभी अचानक उनपर गोलीबारी कर दी गई. पीएम नरेंद्र मोदी इस वक्त सउदी अरब में हैं. पीएम ने सउदी से गृह मंत्री अमित शाह को फोन मिलाया और तुरंत पहलगाम जाने का निदेश दिया. गृह मंत्री पहलगाम के लिए दिल्ली से निकल चुके हैं.

इससे पहले अमित शाह आईबी चीफ, जम्मू-कश्मीर के डीजी और सेना व सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग भी की. पीएम मोदी इस मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उपलब्ध रहे. जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भी इस घटना को लेकर काफी गंभीर हैं. वो तुरंत ही पहलगाम के लिए निकल रहे हैं. गृह मंत्री अमित शाह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक हाई-लेवल मीटिंग बुलाई है. बताया जा रहा है कि इस मीटिंग में सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के अलावा अधिकारी सहित जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज कुमार सिन्हा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहे. खुफिया सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक आतंकी टूरिस्ट के बड़े ग्रुप को टारगेट करने की फिराक में थे. वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आतंकी फरार हो गए. सुनियोजित तरीके से टूरिस्ट को निशाना बनाया गया. गर्मियों के इस सीजन में घाटी में टूरिस्ट की संख्या काफी ज्यादा बढ़ जाती है. टूरिस्ट को निशाना बनाकर आतंकी जम्मू-कश्मीर में सैलानियों के प्रवेश को रोकना चाहते हैं.

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार को खुला समर्थन दिया है. उन्होंने कहा कि ऐसे कायराना हमले से निपटने के लिए सरकार रणनीति बनाएं, विपक्ष पूरी तरह से साथ है. आज दोपहर पहलगाम में टूरिस्ट को निशाना बनाया गया है. पहलगाम आतंकी हमले पर लालू प्रसाद यादव ने कहा निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों पर बर्बर आतंकी कारवाई से पूरा देश आहत है. ईश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि दुःख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को संबल दे.

केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि त्वरित कारवाई करते हुए एक

मुंबई : 15 मई से सरकार मासिक आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े जारी करना शुरू करेगी

मुंबई : एक वरिष्ठ अधिकारी ने घोषणा की कि 15 मई से सरकार मासिक आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े जारी करना शुरू करेगी, जो मौजूदा तिमाही प्रारूप से अलग है। पहली रिलीज में जनवरी से मार्च के आंकड़े शामिल होंगे, जिसके बाद मासिक अपडेट किए जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य भारत को उच्च आवृत्ति वाले श्रम डेटा के वैश्विक मानकों के करीब लाना है। अब तक, शहरी बेरोजगारी की रिपोर्ट तिमाही आधार पर दी जाती थी, जबकि ग्रामीण-शहरी

संयुक्त डेटा सालाना आता था। सांख्यिकी मंत्रालय अनौपचारिक क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों पर तिमाही जानकारी प्रदान करने के लिए भी काम कर रहा है।

अधिकारियों ने भारत की डेटा प्रणालियों की मजबूती और विश्वसनीयता पर जोर दिया, समय पर डेटा को ''नया तेल'' कहा। अधिकारी ने कहा कि सरकार अपने दिशानिदेर्शों को पूरा करेगी और अप्रैल के अंत तक

मुंबई : शिशु मृत्यु सबसे अधिक; 2017 से 2023 तक कुल 117,136 शिशु मृत्यु दर्ज

मुंबई : 2017 से 2023 तक कुल 117,136 शिशु मृत्यु दर्ज की गई है, जो औसतन प्रतिदिन 46 मृत्यु के बराबर है। सबसे अधिक मौतें मुंबई में हुईं, जिनकी कुल संख्या 22,364 थी, उसके बाद पुणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और अकोला का स्थान है। चिकित्सकीय रूप से, शिशु मृत्यु को एक जीवित बच्चे की उसके पहले जन्मदिन से पहले मृत्यु के रूप में परिभाषित किया जाता है। विशेष रूप से, मुंबई में, संख्या 2017 में 4,071 मौतों से घटकर 2023 में 2,832 हो गई है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कमी 2020 में हुई है।

शिशु मृत्यु दर के प्राथमिक कारणों में जन्म के समय श्वासावरोध, समय से पहले जन्म, संक्रमण और कम वजन का जन्म शामिल है, जो अक्सर स्वास्थ्य सेवा में प्रणालीगत कमियों के कारण बदतर हो जाता है। इन चिंताजनक आंकड़ों के बावजूद, अकोला में शिशु मृत्यु दर अपेक्षाकृत कम 12.2 है, जो चल रही कठिनाइयों के बीच कुछ सुधार का संकेत देती है। यह बढ़ती प्रवृत्ति बेहतर नवजात देखभाल और पहले संस्थागत जन्मों से जुड़ी है। फिर भी, शहर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली आपातकालीन रेफरल की उच्च संख्या के साथ चुनौतियों का सामना करना जारी रखती है, क्योंकि लगभग 40% शिशु मृत्यु में आस-पास के जिलों के गंभीर रूप से बीमार शिशु शामिल होते हैं।

मुम्बई : 10 करोड़ रुपये की कीमत के नशीले पदार्थ जब्त

मुंबई : चूनाभट्टी पुलिस ने एक बड़े ड्रग भंडाफोड़ में करीब 10 करोड़ रुपये की कीमत के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। नियमित गश्त के दौरान संदेह के आधार पर चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन की आतंकवाद निरोधी सेल (एटीसी) इकाई और जोन 6 की विशेष टीम ने दो व्यक्तियों को भारी मात्रा में चरस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 30 वर्षीय रहीम शेख को गश्त ड्यूटी के दौरान संदिग्ध तरीके से घूमते हुए पाया गया। उसकी तलाशी लेने पर पुलिस ने 1.9 किलोग्राम चरस बरामद की। पूछताछ के दौरान शेख ने खुलासा किया कि ड्रग्स गुजरात के वलसाड से मंगाई गई थी। इस सुराग के बाद पुलिस की टीमें वलसाड पहुंची और 32 वर्षीय नितिन टंडेल को हिरासत में लिया।

भिवंडी के भरोडी गांव इलाके में एक कूड़े के ढेर से एक कन्या भ्रूण बरामद

भिवंडी : भिवंडी के भरोडी गांव इलाके में एक कूड़े के ढेर से एक कन्या भ्रूण बरामद किया गया। घटना का पता तब चला जब एक राहगीर ने कूड़े के ढेर के बीच भ्रूण को पड़ा देखा। कूड़े के ढेर के दूसरी तरफ आग लगी हुई थी, जिससे राहगीर ने पुलिस को सूचित किया। नारपोली पुलिस स्टेशन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और भ्रूण को इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल में

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्यारेलाल पाटिल द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 94 (शव को गुप्त रूप से निपटाने के द्वारा जन्म को छिपाना) के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, वे भ्रूण को छोड़ने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) की पहचान करने के प्रयास में आसपास के क्षेत्र से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। स्थानीय निवासियों से पूछताछ के लिए एक पुलिस टीम भी बनाई गई है। आगे की जांच अभी चल रही है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

संसाधनों का समुचित आवंटन...

करीब छह महीनों में 16वें वित्त आयोग को अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। इसकी अनुशंसाएं 1 अप्रैल, 2026 से लेकर आगे के 5 वर्षों की अवधि के लिए लागू होंगी। जैसा कि इस समाचार पत्र में गत सप्ताह प्रकाशित हुआ था, वित्त आयोग ने राजकोषीय संसाधनों के आवंटन को लेकर सरकारों का नजरिया जानने के लिए अधिकांश राज्यों की यात्रा कर ली है। वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया गया था ताकि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच कर राजस्व के वितरण को लेकर अनुशंसा की जा सके। खबरों के मुताबिक राज्यों के दौरे के बाद उसे तीन तरह के विचार सुनने को मिले हैं। पहला, भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों समेत अधिकांश राज्य चाहते हैं कि कर राजस्व में उनकी हिस्सेदारी को मौजूदा 41 फीसदी से बढ़ाकर 45-50 फीसदी किया जाए।

दूसरा महत्त्वपूर्ण मुद्दा जो कुछ राज्यों ने उठाया, वह था केंद्र द्वारा उपकर और अधिभार में इजाफा किया जाना। यह सही है कि संविधान केंद्र सरकार को यह शक्ति देता है कि वह उपकर और अधिभार लगाए लेकिन यह संग्रह केंद्र और राज्यों के बीच बंटने वाले पूल का हिस्सा नहीं होता और केवल केंद्र सरकार के पास रहता है। एक तरह से देखा जाए तो उच्च आवंटन और उपकर पर नजरिया आपस में जुड़ा हुआ है। भारत के विकास के मौजूदा चरण में केंद्र और राज्य दोनों ही स्तरों पर बजट को लेकर कई प्रतिस्पर्धी मांग हैं और सरकारें चाहती हैं कि अधिक से अधिक संसाधन उनके पास रहें। ऐसे में राज्य जहां यह चाहते हैं कि विभाज्य पूल में उनका हिस्सा बढ़ाया जाए, वहीं केंद्र सरकार भी उपकर और अधिभार पर अधिक निर्भर हुई है। इस समाचार पत्र द्वारा किया गया एक विश्लेषण बताता है कि चालू वर्ष में सकल कर प्राप्तियों में राज्यों को किया जाने वाला हस्तांतरण केवल 33.3 फीसदी है जो पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान से थोड़ा अधिक लेकिन 15वें वित्त आयोग की 41 फीसदी की अनुशंसा से काफी कम है। इसकी मुख्य वजह यही है कि केंद्र उपकर और अधिभार के जरिये संग्रह बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार की उपकर और अधिभार पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया जाना चाहिए। वित्त आयोग इस संदर्भ में होने वाली चर्चा को संचालित करके ऐसे तरीके सुझा सकता है जो विभाजन को और अधिक पारदर्शी बनाने में मदद करें। तीसरा नजरिया तमिलनाडु की ओर से आया। सुझाव दिया गया कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में किसी राज्य के योगदान को ध्यान में रखते हुए कर राजस्व का वितरण किया जाना चाहिए। इसका अर्थ यह होगा कि बड़े और समृद्ध राज्यों को अधिक फंड मिलेगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : शौर्या अंबुरे ने सऊदी अरब के दम्माम में कांस्य पदक जीता

मुंबई : सऊदी अरब के दम्माम में एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की शौर्या अंबुरे ने अंडर-18 महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता. 15 वर्षीय शौर्या ने 13.8 सेकंड का समय लेकर पदक हासिल किया. प्रतियोगिता के दौरान दो दिन में उनका लगातार दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. वहीं, चीन की बाओ यिनयिन ने 13.71 सेकंड समय के साथ स्वर्ण और ही यिहुई ने 13.76 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता. एशियन यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस वर्ष सऊदी अरब के दम्माम शहर में 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक किया गया. इस प्रतियोगिता में 30 एशियाई देशों ने भाग लिया. भारत की ओर से इस खेल स्पर्धा के लिए 36 खिलाड़ियों का चयन किया गया था.

100 मीटर की दौड़ में जीता मेडल

महाराष्ट्र की ओर से ठाणे की शौर्या अंबुरे (100 मीटर बाधा दौड़) और नवी मुंबई की आंचल पाटिल (ऊंची कूद) का चयन किया गया था. शौर्या अंबुरे ने इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए क्वालिफाइंग राउंड में 13.85 सेकंड में दौड़ पूरी कर अपनी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (पर्सनल बेस्ट) समय दर्ज किया और चयन स्पर्धा का सबसे तेज समय भी उनके नाम रहा. लड़कियों की 100 मीटर बाधा दौड़ की फाइनल स्पर्धा में शौर्या ने कड़ा संघर्ष करते हुए कांस्य पदक जीत लिया. इस अंतिम दौड़ में उन्होंने 13.8 सेकंड में दौड़ पूरी कर फिर एक बार अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय हासिल किया.

बोर्ड की परीक्षा और चैंपियनशिप साथ साथ

इस एशियाई प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के लिए एकमात्र पदक जीतने वाली शौर्या की खेल जगत में विशेष सराहना हो रही है. इस जीत के साथ ही शौर्या अब 100 मीटर बाधा दौड़ की विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई है. शौर्या की उम्र मात्र 15 वर्ष है और वह दसवीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ यह सफलता हासिल कर रही है, जो वास्तव में काबिल-ए-तारीफ है. शौर्या ठाणे की यूनिवर्सल हाई स्कूल की छात्रा है और पिछले 9 वर्षों से वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक अजीत कुलकर्णी की अक्ट अकैडमी में प्रशिक्षण ले रही है. अजीत कुलकर्णी अब तक कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार कर चुके हैं.

शौर्या की मां रूपाली अंबूरे महाराष्ट्र कैडर की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं. वर्तमान में वे ठाणे हाईवे ट्रैफिक की एसपी (पुलिस अधीक्षक) के पद पर कार्यरत हैं. वे पहली महिला थीं जिन्हें महाराष्ट्र पुलिस अकादमी, नासिक में एडीओडी नियुक्त किया गया था. पुलिस सेवा के साथ-साथ वे एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायिका और फिटनेस प्रेमी भी हैं. देश सेवा, संगीत और फिटनेस– तीनों में उनका समर्पण उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है. शौर्या के पिता आईपीएस अधिकारी अविनाश अंबूरे वर्तमान में मीरा-भायंदर, वसई-विरार क्षेत्र के अपराध विभाग (क्राइम) के उपायुक्त (उढढ) के पद पर कार्यरत हैं. वे गंभीर आपराधिक मामलों की जांच और अपराध नियंत्रण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. हाल ही में कई हाई-प्रोफाइल मामलों की तह तक पहुंचने में उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई है.

कुत्ता के काटने का 21,000 से अधिक मामला...

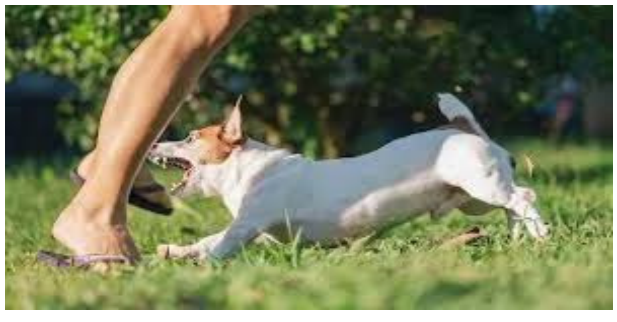

मुंबई : शहर में पिछले कुछ वर्षों से आवारा कुत्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है, जिसका नतीजा २१,००० से अधिक लोगों को कुत्ता काटने के मामलों के रूप में सामने आया। लेकिन चिंताजनक बात यह है कि उल्हासनगर मनपा ने इतने गंभीर आंकड़ों के बावजूद समय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब जब मीडिया और जनता का दबाव बढ़ा तो मनपा ने अचानक नसबंदी विभाग को दोबारा सक्रिय करते हुए डॉग वैन सेवा शुरू कर दी है। सवाल यह उठता है कि जब नसबंदी केंद्र पहले से मौजूद था तो उसे चालू हालत में क्यों नहीं रखा गया? क्या यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं है?

रिपोर्ट की मानें तो मनपा अधिकारियों का कहना है कि दो डॉग वैन पूरे शहर में गश्त कर आवारा कुत्तों को पकड़ेगी। नसबंदी के बाद उन्हें उन्हीं के इलाकों में छोड़ दिया जाएगा। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम पहले ही उठाए जाने चाहिए थे। जब हजारों लोग पहले ही कुत्तों के शिकार हो चुके हैं, तब जागना क्या सिर्फ दिखावटी कार्रवाई है? इतनी बड़ी संख्या में केस दर्ज होने के बावजूद मनपा की निष्क्रियता कई सवाल खड़े करती है। नसबंदी केंद्र का उद्घाटन भले ही पिछले साल किया गया हो, लेकिन उसे चालू रखने की जवाबदारी किसकी थी?

यह स्पष्ट है कि शहर की जनता को समय रहते सुरक्षा देने में मनपा की भूमिका गंभीर नहीं रही है। अब डॉग वैन सेवा की शुरूआत स्वागतयोग्य जरूर है, लेकिन यह देर से उठाया गया कदम है, जिसकी कीमत हजारों नागरिकों ने अपने जख्मों से चुकाई है।

उल्हासनगर में २९४ खतरनाक इमारतें, नोटिस जारी...

उल्हासनगर : एक इंसान अपनी पूरी कमाई से मुंबई जैसे शहर में अपना घर खरीदता है। कुछ साल में वह जर्जर हो जाता है और मनपा खतरनाक घोषित कर उसे तोड़ देती है। वहां रहने वालों की जान को खतरा रहता है। लेकिन, सवाल यह है कि जिन लोगों के घर तोड़े जाते हैं, क्या उन्हें नए घर आसानी से मिलते हैं? इसका जवाब है, नहीं। यही कारण है कि लोग खतरनाक इमारतों में जान हथेली पर रखकर रहते हैं। अगर सरकार इन लोगों को समय पर नए घर बनाकर दे या घर बनने तक उन्हें सही जगह रखे तो लोग घर छोड़ भी दें।

हमने इसकी पड़ताल की तो पता चला कि उल्हासनगर में २९४ खतरनाक इमारतें ऐसी हैं, जिन्हें मनपा ने खतरनाक घोषित करने के संबंध में नोटिस जारी किया है। इनमें से ५० इमारतों को तत्काल खाली करके तोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, लोग विस्थापन के डर से इन इमारतों को छोड़ना नहीं चाहते हैं। सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है। इस संबंध में सरकार के पास कोई ढंग की पॉलिसी नहीं है, जिसकी वजह से इमारतें टूटने के बाद सालों तक नहीं बन पाती हैं और रहिवासी यहां से वहां धक्के खाते फिरते हैं। सरकार सिर्फ आश्वासन देती है कि जल्द ही घर मिलेंगे, लेकिन मिलते नहीं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां लोगों के घर टूट गए और वे १० साल से भी ज्यादा दिन तक भटकते रहे। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए, लेकिन शीश महल में बैठे सरकार के लोग सोच नहीं पाते।

इमारत दुर्घटनाओं में हर साल मरते हैं लोग

उल्हासनगर मनपा के तकनीकी विभाग द्वारा हाल ही में पेश रिपोर्ट के अनुसार, २९४ इमारतों को खतरनाक श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें से ८ अत्यधिक खतरनाक हैं। मानसून की पृष्ठभूमि में यह जानकारी चौंकाने वाली है तथा नागरिक सुरक्षा का मुद्दा और भी गंभीर हो गया है।

अकोला : पानी की भारी किल्लत; सोना-चांदी और रुपयों की तरह पानी को ताला में रखा जा रहा है

अकोला : महाराष्ट्र के अकोला जिले में कई गांव ऐसे हैं, जहां पानी की भारी किल्लत है। भीषण गर्मी के कारण हालात और भी खराब हो गए हैं। लोग परेशान हैं। बूंद-बूंद पानी बचाने में लगे हैं। यहां तक कि किसी सोना-चांदी और रुपयों की तरह पानी को ताला में रखा जा रहा है। अकोला जिले में पारा 44त्ज से ऊपर जा रहा है। ''सलाइन बेल्ट'' के गांवों में पीने के पानी की बहुत कमी हो गई है। नल तो लगे हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं आता। उगवा गांव में हालात बहुत खराब हैं। वहां लोग पानी की चोरी रोकने के लिए अपने पानी के टैंक और ड्रमों को ताला लगा रहे हैं। उगवा गांव में हर घर में बड़े-बड़े प्लास्टिक के ड्रम और टैंक रखे हुए हैं। लोग इनमें महीने भर के लिए पानी भरकर रखते हैं।

घर की बजाए ड्रमों पर लगा रहे ताला

उगवा की रहने वाली चंदा वाकते ने कहा कि पानी अब पैसे से भी ज्यादा कीमती है। वे घर से बाहर जाते समय घर को ताला लगाने के बजाय पानी के ड्रमों को ताला लगाती हैं। गांव के कई लोग ऐसा ही करते हैं। गांव वालों का कहना है कि सरकारी पाइपलाइन से महीने में एक बार ही पानी आता है। कभी-कभी तो 45 या 60 दिन बाद पानी आता है। वह भी सिर्फ एक या दो दिन के लिए। इसलिए, वे जितना हो सके उतना पानी भरकर रखते हैं। सूत्रों के अनुसार, जिले के ज्यादातर गांवों में यही हाल है। वाकते कहती हैं कि अगर पानी चोरी हो जाता है, तो हमें या तो दो महीने और इंतजार करना पड़ता है या 600 रुपये में टैंकर का पानी खरीदना पड़ता है। एक और गांव वाली सुषमा देशमुख ने भी पानी की चोरी रोकने के लिए अपने पानी के ड्रमों को ताला लगाया है।

टाली जा रहीं शादियां

पानी की किल्लत का असर शादियों पर भी पड़ रहा है। गांव वालों का कहना है कि लड़कों के लिए दुल्हन ढूंढना मुश्किल हो गया है। लोग पानी की कमी के कारण अपनी बेटियों की शादी यहां नहीं करना चाहते। उनका कहना है कि जहां पानी नहीं है, वहां हम अपनी बेटियों को नहीं भेजेंगे। इसके अलावा, शादियों जैसे बड़े कार्यक्रम भी अब टाले जा रहे हैं क्योंकि पीने के पानी का इंतजाम करने में बहुत पैसा खर्च होता है। स्थानीय ग्राम पंचायत में विपक्ष के नेता सचिन बाहा का कहना है कि 84 खेड़ी योजना सिर्फ कागजों पर है। उन्होंने कहा कि कई बार अपील करने के बाद भी प्रशासन ने हमारी पानी की समस्या का समाधान नहीं किया है। अगर यह समस्या बनी रहती है, तो हम आंदोलन करेंगे। 84 खेड़ी योजना का मतलब है कि 84 गांवों को पानी देने की योजना लेकिन यह योजना अभी तक ठीक से काम नहीं कर रही है। गांव वाले पानी की समस्या से बहुत परेशान हैं। उन्हें दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। कई बार उन्हें गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

मुंबई : सड़कें अधूरी; रास्ते अवरुद्ध हैं और पैदल चलना एक जोखिम...

मुंबई : मुंबई में हर गली, हर सड़क खोदी जा रही है। कहीं कंक्रीटीकरण के नाम पर तो कहीं पाइपलाइन, बिजली या मेट्रो कार्य के बहाने, लेकिन सवाल है कि क्या यह सब सोची-समझी योजना के तहत हो रहा है या यह महज दिखावटी विकास है? उल्लेखनीय है कि शहर की बड़ी आबादी रोजाना खुदाई से जूझ रही है। सड़कें अधूरी हैं, रास्ते अवरुद्ध हैं और पैदल चलना एक जोखिम बन चुका है। बुजुर्गों, दिव्यांगों और आपातकालीन सेवाओं के लिए हालात और भी गंभीर हैं। कई अस्पतालों के रास्ते खोदे गए हैं और वैकल्पिक मार्गों की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। यह स्थिति जीवन के लिए खतरा भी बन चुकी है। खबरों के अनुसार, २०२३ से चल रहे कंक्रीट प्रोजेक्ट के तहत ७०२ किमी सड़कें बदलनी हैं, जिनमें से अब तक १,२२४ किमी सड़कों पर काम हो चुका है, लेकिन इस प्रक्रिया में अनुशासन और समन्वय की भारी कमी साफ नजर आती है। एक ही सड़क को दो बार खोदने की बात आम हो चुकी है।

नवी मुंबई : शर्मनाक घटना; एसी बस में कपल शारीरिक संबंध बनाता वीडियो वायरल

नवी मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई से एक शर्मनाक घटना सामने आई है. नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट की ओर से संचालित एसी बस में एक कपल शारीरिक संबंध बनाता हुआ पकड़ा गया. कपल की उम्र 20 साल के आसपास है. कपल को उस वक्त पकड़ा गया, जब वह पीछे वाली सीट पर खिड़की के पास बैठा था. करीब से जा रहे एक वाहनवाले ने उनका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया. इसके बाद यह वीडियो वायरल हो गया. रिपोर्ट के मुताबिक, ठटटळ के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि इस हरकत को रोकने में नाकाम रहने के कारण बस कंडक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जा चुकी है. अधिकारियों के मुताबिक, 'कंडक्टर को चेतावनी देते हुए लिखित में यह बताने को कहा है उसके बस में रहते हुए ऐसी अश्लील हरकत कैसे हो गई. ' बताया गया कि कंडक्टर सबसे आगे वाली सीट पर बैठा हुआ था और सबसे पीछे क्या हो रहा है, इस बारे में उसे कुछ पता ही नहीं था.

इस मुद्दे को उठाने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट अनरनीत चौहान ने बताया, 'रविवार को बस पनवेल से कल्याण जा रही थी और यह काफी खाली थी. ज्यादा ट्रैफिक की वजह से बस धीरे-धीरे चल रही थी. तभी किसी ने बस के बाहर दूसरे वाहन से कपल की अश्लील हरकत को खिड़की से रिकॉर्ड कर लिया. इसके बाद वीडियो को प्रशासन के साथ साझा किया गया.'

जब प्रशासन के जवाब के बारे में पूछा गया तो चौहान ने कहा, 'कंडक्टर से इस नाकामी के बारे में पूछा गया है. पब्लिक ट्रांसपोर्ट ऐसे कामों के लिए नहीं है और दुर्भाग्य है कि ऐसा हुआ.' NMMC कमिश्नर कैलाश शिंदे से हालांकि इस बारे में बातचीत नहीं हो पाई. एक प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, 'हालांक मैं सीधे ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट नहीं देखता हूं. लेकिन मुझे लगता है कि आजकल के युवाओं को पब्लिश में कैसा बर्ताव करना चाहिए, ये सोचना चाहिए. ऐसी अश्लील हरकतें सार्वजनिक तौर पर अवैध और अस्वीकार्य हैं.'

मुंबई : अश्लील कॉमेडी से जुड़े इंडियाज गॉट लैटेंट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 28 अप्रैल को अगली सुनवाई

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि अश्लील कॉमेडी से जुड़े इंडियाज गॉट लैटेंट मामले में राज्य पुलिस ने जांच पूरी कर ली है. जल्द ही चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी. वहीं असम पुलिस ने कहा है कि उसकी जांच इस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी. सुप्रीम कोर्ट ने 28 अप्रैल को अगली सुनवाई की बात कही है. अश्लील कॉमेडी केस के आरोपी रणवीर इलाहाबादिया की याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह के सामने पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने महाराष्ट्र और असम सरकार का पक्ष रखा. उन्होंने बताया कि असम पुलिस

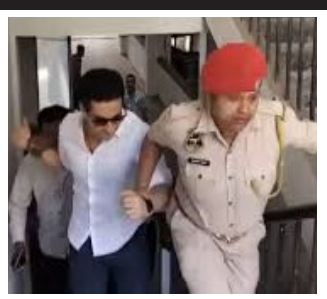

की जांच भी तेजी से आगे बढ़ रही है. मामले के 5 आरोपियों में से एक अपूर्वा मखीजा का बयान अब तक दर्ज नहीं हुआ है. उन्हें 22 अप्रैल को बुलाया गया है.

जस्टिस सूर्य कांत ने असम पुलिस से जांच जल्द पूरी करने को कहा. उन्होंने कहा कि अगर कोई जांच में सहयोग नहीं कर रहा है, तो उसकी जानकारी कोर्ट को दें. रणवीर इलाहाबादिया के लिए पेश वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने रणवीर का पासपोर्ट जारी करने की मांग की. कोर्ट ने अगली सुनवाई में इस मांग पर विचार की बात कही. बेंच ने कहा कि रणवीर की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक फिलहाल जारी रहेगी.

संक्षिप्त समाचार

इलाज में देरी हो तो सिविल सर्जन से करें शिकायत

मुंबई : स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर ने मरीजों से अपील की है कि वे सरकारी या निजी अस्पताल में इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही या किसी भी असुविधा की सूचना सीधे जिला सर्जन को दें। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी अध्यक्षता में एक समिति जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। वे सोमवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

शरद पवार, राउत ने मेरे बयानों का अलग अर्थ निकाल रहे...

मुंबई : पालकमंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि एनसीपी नेता शरद पवार और शिवसेना ठाकरे गुट के नेता संजय राउत राजनीतिक आवश्यकता के चलते मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। वह सोमवार को विभिन्न विभागों की समीक्षा करने कलेक्टर कार्यालय आए थे। इस बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात

किल्लेमच्छिंद्रगढ़ में पुरानी दुश्मनी को लेकर परिवार को बेरहमी से पीटा... 15 लोगों के खिलाफ अपराध

मुंबई : किल्लेमच्छिंद्रगढ़ (तालाब वाल्वा) में भीड़ एकत्रित हुई और पुरानी दुश्मनी के कारण एक परिवार को लाठी, ईंटों और पाइपों से बेरहमी से पीटा। हमले में 6 लोग घायल हो गए। घायलों के नाम अलमशा सिकंदर शिकलगर (उम्र 47, निवासी किल्लेमच्छिंद्रगढ़), उनके पिता सिकंदर, मां सलमा, पत्नी शबाना और बच्चे इरफान और अमन हैं। पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

टिकाऊ जल समाधान लागू करें

मुंबई : जल संसाधन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जल प्रबंधन कार्य पखवाड़े में भविष्य की आवश्यकताओं की पहचान की गई है तथा जल प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। इसके माध्यम से जल साक्षरता, जल संरक्षण के महत्व तथा प्रयुक्त जल के पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने चाहिए। पालकमंत्री चंद्रकांत पाटिल ने यहां जल प्रबंधन के माध्यम से दीर्घकालिक टिकाऊ समाधान लागू करने की अपील की।

नासिक के बोरीचिवाड़ी गांव में भीषण जल संकट

नासिक : बोरीचिवाड़ी गांव की एक महिला कहती है, ''गांव में पानी नहीं है...हमें पानी की तलाश में इधर-उधर जाना पड़ता है। हमारे छोटे-छोटे बच्चे हैं...हमें पानी चाहिए।

मुंबई : लगातार चुनावी हार ने राहुल गांधी को मानसिक रूप से प्रभावित कर दिया है - देवेंद्र फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि लगातार चुनावी हार ने उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित कर दिया है। उनकी यह टिप्पणी राहुल गांधी की तरफ से अमेरिका में भारतीय चुनाव आयोग को लेकर विवादास्पद बयानों के जवाब में आई है। बता दें कि, अमेरिका दौरे पर गए राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन की जीत पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण हो गया है। इस पर फडणवीस ने कहा, मैं राहुल गांधी को सलाह दूंगा कि वे विदेश जाकर देश को बदनाम करने की बजाय जनता के बीच काम करें। ऐसे बयानों से उन्हें वोट नहीं मिलने वाले। लगातार हार ने उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर दिया है।

राहुल गांधी ने क्या दिया था बयान

एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र चुनाव में राज्य के कुल मतदाताओं से अधिक वोट पड़े। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने शाम 5.30 बजे तक के आंकड़े दिए, लेकिन 5.30 से 7.30 बजे के बीच 65 लाख वोट डाले गए, जो गणितीय रूप से असंभव है। एक वोटर को वोट डालने में 3 मिनट लगते हैं, यानी मतदान रात 2 बजे तक चलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने वीडियोग्राफी मांगी तो आयोग ने न सिर्फ मना कर दिया, बल्कि कानून भी बदल दिया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के इन आरोपों को बचकाना बताते हुए कहा कि ऐसे बयानों से देश की छवि खराब होती है।

वहीं राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि आज के समय में यह मायने नहीं रखता कि कोई देश में बोले या विदेश में झ मुद्दा जरूरी है, स्थान नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं और अब आयोग को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें चुनाव आयोग पर संदेह है। एक घंटे में 10 से 13 प्रतिशत तक वोटिंग बढ़ना मानव रूप से संभव नहीं है।'

मुंबई : जीशान सिद्दीकी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी... 10 करोड़ रुपए की मांग!

मुंबई : दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे और एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक, ईमेल में कहा गया है कि उनके पिता की तरह ही उन्हें भी जान से मार दिया जाएगा। इसके साथ ही ईमेल में जीशान सिद्दीकी से 10 करोड़ रुपए की मांग की गई है। वहीं ईमेल भेजने वाले ने आगे कहा कि वह हर छह घंटे में ऐसे ईमेल भेजेगा। फिलहाल मुंबई पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं इस मामले में एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने कहा, 'मुझे डी कंपनी से मेल के जरिए धमकी मिली है, जैसा कि मेल के अंत में बताया गया है, उन्होंने 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। पुलिस ने विवरण ले लिया है और बयान दर्ज कर लिया है। हमारा परिवार इस वजह से परेशान है।'

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को 12 अक्तूबर की रात उनके बेटे और कांग्रेस नेता जीशान सिद्दीकी के ऑफिस से बाहर निकलने के दौरान गोली मारी गई थी। जिसके बाद लीलावती अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक कथित शूटर शिवकुमार गौतम सहित 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। अनमोल बिश्नोई इस मामले में वांछित आरोपी है। पुलिस ने 30 नवंबर को गिरफ्तार किए गए 26 आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की कठोर धाराएं लगाई।

बदमाशों ने ऐसे सीखा था हथियार चलाना

मुंबई पुलिस के मुताबिक इस हत्याकांड में शामिल बदमाशों ने यूट्यूब पर देखकर हथियार चलाना सीखा था, जबकि मुख्य आरोपी शिवकुमार गौतम ने शादियों में आतिशबाजी के लिए की गई फायरिंग के दौरान हथियार चलाना सीखा था। इन सभी ने कुर्ला इलाके में एक किराए के मकान में यूट्यूब पर वीडियो देखकर हथियार चलाना सीखा था। मुंबई क्राइम ब्रांच का कहना है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या करने से पहले शूटर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के संपर्क में थे। इतना ही नहीं इन तीन आरोपियों ने अनमोल से स्नैपचेट के जरिए बात की थी।

मुंबई : 22 अप्रैल 2025 को रात के समय दिवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच चार घंटे का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक

मुंबई : लोकल ट्रेन यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। सेंट्रल रेलवे ने घोषणा की है कि 22 अप्रैल 2025 को रात के समय दिवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच चार घंटे का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक रहेगा। इस ब्लॉक की वजह से लोकल और मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। रेलवे प्रशासन के मुताबिक यह ब्लॉक रेलवे ट्रैक की मरम्मत, तकनीकी कार्य और सिग्नलिंग अपग्रेडेशन के लिए जरूरी है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले शेड्यूल की जांच जरूर करें।

कुछ लोकल ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया जाएगा। कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को डायवर्ट या री-शेड्यूल किया जा सकता है। इसके अलावा स्लो और फास्ट लोकल ट्रेनों की टाइमिंग में बदलाव संभावित है। ऐसे में मुंबई और ठाणे के बीच यात्रा कर रहे यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह है। Powered By रेलवे ने क्या कहा? सेंट्रल रेलवे ने अपने आधिकारिक '' (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, ''दिवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच ट्रैफिक और पावर ब्लॉक लिया जाएगा, जो 22-23 अप्रैल की रात को प्रभावी रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया यात्रा से पहले अपडेट देखें और असुविधा के लिए हमें खेद है।''यात्रियों से अपील रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह ब्लॉक यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी रखरखाव और सुरक्षा कार्यों के लिए आवश्यक है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे यात्रा के दौरान अतिरिक्त समय की योजना बनाएं।

मुंबई : 11 तालाबों का कायाकल्प दो वर्षों में किया जाएगा...

मुंबई : मालाड के ११ तालाबों का कायाकल्प दो वर्षों में किया जाएगा। ऐसी घोषणा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की है। यह खबर जहां एक सकारात्मक पहल का संकेत देती है, वहीं मुंबई मनपा की पूर्व लापरवाही को भी उजागर करती है। वर्षों से इन तालाबों की अनदेखी होती रही है। अतिक्रमण, गंदगी, सीवेज की समस्या और रख-रखाव की कमी ने इन जलस्रोतों को प्रदूषित और उपेक्षित बना दिया। रिपोर्ट की मानें तो २०२२ में भी पी उत्तर वार्ड में १८ तालाबों के सुधार की योजना बनी थी, लेकिन वह जमीन पर नहीं उतर पाई। इसका सीधा संकेत है कि मनपा योजनाएं तो बनाती है, लेकिन उनके क्रियान्वयन में गंभीरता की कमी है। सवाल यह उठता है कि जब पहले से ही तालाबों की हालत बिगड़ रही थी तो समय रहते

कदम क्यों नहीं उठाए गए? अब जब सांसद खुद इस मुद्दे में रुचि दिखा रहे हैं और प्रोजेक्ट मुंबई जैसी संस्था सहयोग कर रही है तो उम्मीद बनी है कि यह प्रयास सफल होगा। लेकिन यह भी स्पष्ट है कि मनपा अकेले इस कार्य में न तो सक्षम रही है और न ही इच्छुक ही। प्रोजेक्ट मुंबई के अनुसार, तालाबों के आसपास रोशनी, बैठने की व्यवस्था और साफ-सफाई जैसे काम आसान हैं, लेकिन सीवेज और प्रदूषण जैसी जटिल समस्याओं के लिए मनपा की पूर्ण भागीदारी जरूरी है।

मुंबई: जल्द ही म्हाडा के मकान आम आदमी को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध होंगे

मुंबई: मुंबई में घरों की कीमतें अब आम आदमी के बस की बात नहीं रह गई हैं। पिछले कुछ सालों से आम जनता महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के मकानों पर निर्भर है। हालांकि म्हाडा के घरों की कीमतों में भी काफी इजाफा हुआ है। यही कारण है कि आम आदमी को भी म्हाडा के मकान खरीदने पर विचार करना पड़ रहा है। हालांकि जल्द ही म्हाडा के मकान आम आदमी को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध होंगे। प्राधिकरण ने म्हाडा के मकानों की कीमतें निर्धारित करने के फामूर्ले के पुनर्गठन के लिए तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की है।

म्हाडा के घरों की कीमतें कैसे तय होती हैं?

अभी म्हाडा के घरों की कीमतें जमीन की लागत, निर्माण लागत और

स्थापना लागत को ध्यान में रखकर तय की जाती हैं। म्हाडा सबसे कम और कम आय वाले लोगों से कोई लाभ नहीं लेता है। मध्यम आय वर्ग से दस प्रतिशत और उच्च आय वर्ग से 15 प्रतिशत तक लाभ ले सकता है। म्हाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगर म्हाडा ने दस-बारह साल पहले कोई जमीन खरीदी थी। तो उसकी सुरक्षा के लिए किए गए खर्च को भी घर की कीमत में जोड़ा जाता है। इसलिए घरों की कीमतें बढ़ जाती हैं।

आम लोगों को कैसे मिले सस्ते घर?

उन्होंने कहा कि अगर किसी जमीन पर इमारत बनाने में देरी हुई है तो इसका खामियाजा आम लोगों को क्यों भुगतना चाहिए? समिति इस बात का अध्ययन करेगी कि घरों की कीमतें तय करते समय किन चीजों को शामिल करना है और किन चीजों को नहीं। ताकि प्राधिकरण को नुकसान न हो और आम लोगों को सस्ते घर मिलें। क्षेत्रफल के बजाय कीमत के अनुसार आय वर्ग तय होगाम्हाडा की नीति के अनुसार, 300 वर्ग फीट तक के घर सबसे कम आय वर्ग के लिए, 450 वर्ग फीट तक के घर कम आय वर्ग के लिए, 600 वर्ग फीट तक के घर मध्यम आय वर्ग के लिए और 900 वर्ग फीट तक के घर उच्च आय वर्ग के लिए दिए जाते हैं। उपनगरों में 300 वर्ग फीट के घर की कीमत और उतने ही क्षेत्रफल के दक्षिण मुंबई में घर की कीमत में बहुत अंतर होता है।

इसलिए अधिकारी ने कहा कि इस बात का भी अध्ययन किया जाएगा कि क्या घर के क्षेत्रफल के बजाय उसकी कीमत के अनुसार आय वर्ग तय किए जा सकते हैं? इसका मतलब है कि अब घर कितना बड़ा है, इससे ज्यादा उसकी कीमत देखी जाएगी और फिर तय होगा कि वह किस आय वर्ग के लिए है।

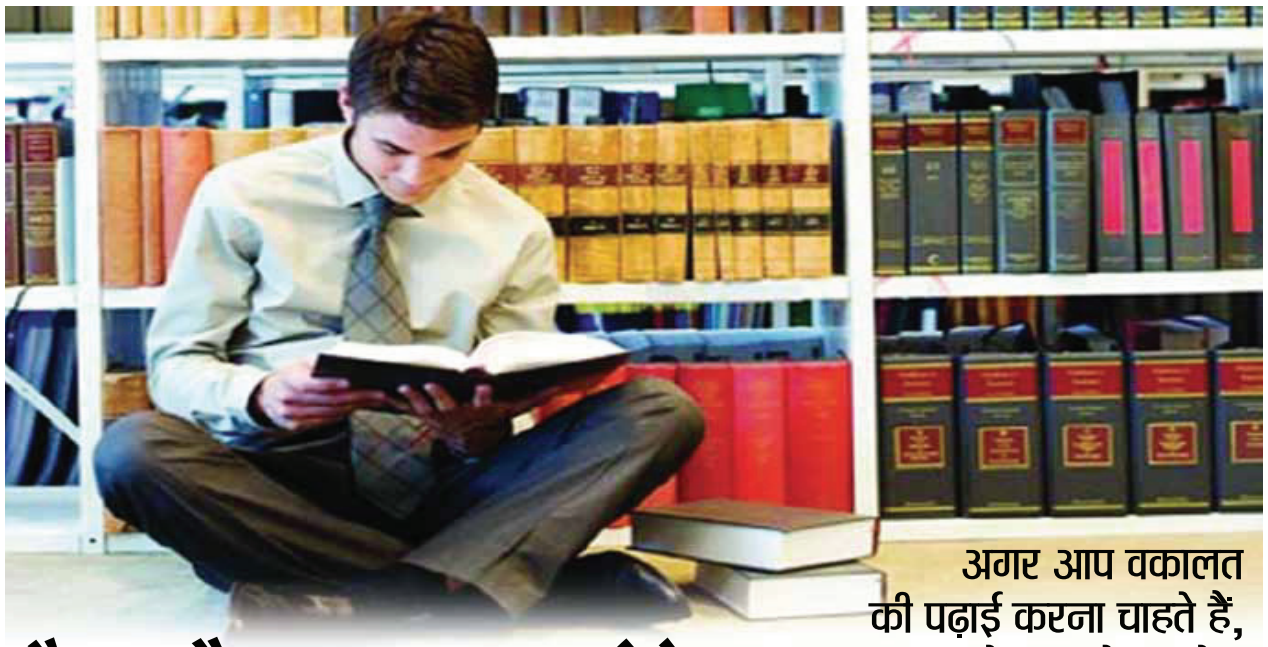

पैसा और सम्मान का प्रोफेशन

वकालत

अगर आप वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो आपको हम देश के टॉप कॉलेजों के बारे में बताते हैं जहां पर एडमिशन लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं।

वकालत एक पेशा है जिसमें काफी संघर्ष है। अगर एक बार वकालत चल गई तो जो पैसा और इज्जत इस प्रोफेशन में मिलती है, वो किसी में नहीं है? भारत में कई यूनिवर्सिटीज, कॉलेज की तरफ से वकालत की पढ़ाई करवाई जाती है। लेकिन कुछ ऐसे कॉलेज हैं, जहां से पढ़ाई करने के बाद युवाओं की नौकरी पक्की समझी जाती है।

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु की देश में पहली रैंक है। यहां पर छात्रों को क्लैट के तहत एडमिशन दिया जाता है। ऐसे में अगर आप भी वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं तो यह कॉलेज आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां पर तीन और 5 वर्षीय दोनों कोर्सेज में प्रवेश दिया जाता है। 12वीं पास 5 वर्षीय एलएलबी में प्रवेश ले सकते हैं। जबकि ग्रेजुएट 3 वर्षीय में।

चंडीगढ़, यूनिवर्सिटी

चंड़ीगढ़ यूनिवर्सिटी का वकालत की पढ़ाई में दूसरा स्थान है। हालांकि, यहां पर सिर्फ 3 वर्षीय पाठ्यक्रम में ही प्रवेश दिया जाता है। तीन वर्षों के लिए छात्रों को 2 लाख 70000 रुपए फीस देनी होती है। यहां से पढ़ाई के बाद युवाओं का आसानी से प्लेसमेंट हो जाता है।

गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधी नगर

अगर आप वकालत की पढ़ाई करना चाहते हैं, तो आप यहां भी एडमिशन ले सकते हैं। पूरे पांच वर्ष का कोर्स करने के लिए आपको 5 लाख रुपए देने होंगे। यहां पर एक वर्ष की फीस 50000 है। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी , गांधी नगर से पढ़ाई करने के बाद अभ्यर्थियों का प्लेसमेंट आसानी से हो जाता है।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

12वीं पास छात्र इंटीग्रेटेड कोर्स यानि कि 5 वर्षीय एलएलबी में यहां भी प्रवेश ले सकते हैं। यहां की पढ़ाई पूरे भारत में प्रसिद्ध है। यह स्टेट यूनिवर्सिटी है। 5 वर्ष की पढ़ाई के लिए छात्रों को 7 लाख 60000 रुपए फीस देनी होगी। यहां से पढ़ाई के बाद छात्रों की नौकरी कॉर्पोरेट सेक्टर में आसानी से लग जाती है। वहीं, जो छात्र खुद हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करना चाहते हैं, वे कर सकते हैं।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर की पहचान भारत के प्रसिद्ध कॉलेजों में होती है। यहां पर 5 वर्षीय वकालत के छात्र प्रवेश ले सकते हैं। क्लैट की परीक्षा में अच्छी रैंक लाने वालों को ही इसमें प्रवेश दिया जाता है। पढ़ाई के बाद यहां पर कई कॉर्पोरेट कंपनियां लीगल एडवाइजर को हायर करने के लिए आती हैं।

वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुर्डिशियल साइंस

5 वर्षीय वकालत की पढ़ाई के लिए वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुर्डिशियल साइंस में भी एडमिशन ले सकते हैं। इस कॉलेज का 6वां स्थान है। अगर आप भी यहां पर एडमिशन लेना चाहते हैं, तो ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर डिटेल्स चेक कर सकते हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लॉ फैकल्टी से पढ़े हुए स्टूडेंट्स की इंडस्ट्री में भारी डिमांड है। अगर आप 12वीं पास हैं और 5 वर्षीय वकालत करना चाहते हैं, तो यह कैम्पस आपके लिए बढ़िया विकल्प हो सकता है। बीएएलएलबी के 5 वर्षीय कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं। फीस आदि से जुड़ी जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से चेक किया जा सकता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी खड़गपुर

ये कॉलेज भी वकालत की पढ़ाई के लिए बेस्ट है। यहां पर तीन वर्षीय वकालत की पढ़वाई करवाई जाती है। तीन वर्ष के लिए छात्रों को 335000 रुपए फीस देनी पड़ती है। अधिक जानकारी छात्र ऑफिशियल वेबसाइट पर भी चेक कर सकते हैं।

नेशनल अकादमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी

नेशनल अकादमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी का स्थान तीसरा है। यहां पर 5 वर्षीय वकालत में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में जो छात्र 12वीं पास हैं, वे इसमें एडमिशन ले सकते हैं। हालांकि, क्लैट की परीक्षा में जिनकी अच्छी रैंक आती है, उन्हें ही प्रवेश दिया जाता है।

राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला

वकालत की पढ़ाई के लिए आप राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला में भी प्रवेश ले सकते हैं। यह कैम्प्स कई एकड़ में फैला हुआ है। वकालत की पढ़ाई के बाद यहां पर आसानी से प्लेसमेंट हो जाता है। अधिक जानकारी अभ्यर्थी ऑफिशियल वेसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं।

बीडीओ और सीडीओ में क्या होता है अंतर? कैसे मिलती है यह नौकरी

आपने बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम तो जरूर सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी न कभी आपके काम भी आते होंगे। तो चलिए बीडीओ और सीडीओ में के बीच अंतर को जान लेते हैं।

आप लोगों ने आए दिन अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बीडीओ और सीडीओ जैसे पद के नाम सुने होंगे। इन पदों पर तैनात ऑफिसर कभी ने कभी आपके काम आते होंगे। हालांकि बीडीओ और सीडीओ में क्या फर्क है इसे लेकर लोगों के अंदर काफी कंफ्यूजन होता है। दोनों में से किसके पास ज्यादा पावर होता है इसकी भी जानकारी लोगों के पास नहीं होती है। ऐसे में आज हम आपको बीडीओ और सीडीओ दोनों में फर्क बताएंगे। साथ ही दोनों के कार्यों के बारे में भी जानेंगे। इसी के साथ आइए जानते हैं– बीडीओ और सीडीओ में कौन कितना पावरफुल है।

क्या है बीडीओ और सीडीओ में फर्क

बीडीओ का मतलब ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर होता है। इनका काम ब्लॉक के अंतर्गत विकास संबधित प्रोग्रामों के कार्यन्वयन की देखरेख करना है। वहीं दूसरी ओर चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर जिले के सभी ब्लॉकों के योजनाओं के डेवलपमेंट की निगरानी और देखरेख करना है। बीडीओ की नियुक्ति राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। दूसरी ओर सीडीओ पद की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

बीडीओ के कार्य

ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर राज्य का एक सरकारी ऑफिसर होता है, जो किसी ब्लॉक के विकास और गतिविधियों के लिए कार्य करता है। उसके पास ही विकास और अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी होती। बीडीओ का पद पंजायती राज्य व्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। बीडीओ के विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के विकास के लिए काम करता है। यह प्रशासन के लिए जिम्मेदार होते हैं। बीडीओ ब्लॉक समिति के सदस्य होते हैं। किसी जिले के सभी बीडीओ भी जिला पंचायत या जिला परिषद का हिस्सा होते हैं।

सीडीओ के कार्य

चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर भारतीय राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में एक एडमिनिस्ट्रेटिव पद के रूप में जाना जाता है। सीडीओ राज्य और केंद्र सरकारों की गरीबी उन्मूलन और बेसिकक स्ट्रक्चर के निर्माण की विभिन्न डेवलपमेंट स्कीम की देखरेख करना है। सीडीओ जिलाधिकारी के सुपरविजन और कंट्रोल में काम करते हैं। सीडीओ के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉक के विकास से संबधित सभी कार्यों की निगरानी करता है।

सिविल-सर्विस-डे पर सीएम बोले-जूनियर आपको देखकर सीखते है कि कौनसी स्याही कब और कहां चलानी है

सही काम करेंगे तो नींद ठीक आएगी : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। सिविल सर्विस डे के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि आपको तय करना है कि आपको क्या करना है। देश, समाज और माता-पिता के सम्मान के लिए क्या करना चाहिए। यह विचार आपके मन में रहेगा तो रात को नींद भी ठीक आएगी। किसी तरह की दिक्कत भी नहीं होगी। नहीं तो मैं देखता हूं कई लोग मेरे सामने आते हैं। मैं उनको कई बार देखता हूं, उनके मन में कुछ होता है। लेकिन उन्हें चिंता बहुत सताती है। चिंता का कारण कोई ओर नहीं होता, वे स्वयं होते हैं।

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि अगर हमारे मन में यह विश्वास होगा कि जिस दायित्व पर हम बैठे हैं। उसे पूर्ण करने की दृढ़ इच्छा होगी तो आपको कोई भी चिंता सताने वाली नहीं है। यह विश्वास मैं आपको दिलाता हूं। सीएम भजनलाल शर्मा

सोमवार को ओटीएस में सिविल सर्विस डे पर आयोजित सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

जूनियर आपसे सीखते है कब कहां, क्या करना है

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- परिवार हो या समाज। नई पीढ़ी हमेशा बड़ों से सीखती है। मैं देखता हूं जो नए-नए अधिकारी आते हैं, वे बिल्कुल साफ, क्लीन और कोरे कागज की तरह आते हैं। वह आपसे सीखते हैं कि मुझे कौन सी स्याही चलानी है। कब चलानी है।

कभी-कभी हम इस बात को भूल जाते हैं। जो नीचे वाला सोच नहीं सकता, जिस रास्ते पर वो जाना नहीं चाहता। हम उसको वो रास्ता दिखा देते हैं। इससे उसका जीवन में भला नहीं होता है, लेकिन उसका बुरा करने की स्थिति हम बना देते हैं।

इस बात का भी हमें विचार करना चाहिए कि जो लोक सेवा में नया आया है उसे हमें कैसा बनाना है। मैं आपको आज स्पष्ट इसलिए बोल रहा हूं कि यह मेरे मन की बात हैं, जो मैं आपसे शेयर करना चाहता हूं। क्योंकि जैसी दृष्टि होगी, आगे वैसा ही काम होगा। इसलिए हम सभी जो सीनियर है, उनकी जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है। आपने लगता होगा कि कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति हम उसको अंधकार की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं। न सारी चीजों को समझते हुए हमें काम करना चाहिए।

आचरण में कमी होगी तो लोग अंगुली उठाएंगे

कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि एक लोक सेवक के नाते हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती हैं। हमारे व्यवहार पर सबकी नजर रहती हैं। अगर आचरण में कमी होगी तो लोग अंगुली भी उठाएंगे। हमे जो पद मिला है, उसमें अगर हम ऐसे लोगों की मदद करेंगे जिनका नाम और आवाज नहीं है। ऐसे लोगों के लिए अगर आप काम करेंगे तो आपको संतुष्टि मिलेगी। सीएस ने कहा कि मेरे ऑफिस में हमने एक समय निर्धारित कर रखा है। जिसमें मैं बिना किसी अपॉइंटमेंट के लोगों से मिलता हूं। उनकी समस्याएं हल करने का प्रयास करते हैं। लेकिन हर स्तर पर अगर ऐसा होगा तो यह लोगों की बहुत बड़ी सेवा होगी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और जवाबदेही एक अच्छे लोक सेवक की पहचान है।

कलक्टर और एसपी को जनसुनवाई करनी चाहिए

सीएम ने कार्यक्रम में वीसी से जुड़े प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों से निरंतर जनसुनवाई करने के लिए कहा। उन्होंने कहा जब भी मैं जिलों में जाता हूं तो मेरे सामने छोटी-छोटी समस्याएं आती हैं। इन छोटे-छोटे विवादों और समस्याओं को जनसुनवाई के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। लेकिन आप एक दिन जनसुनवाई करते हैं, फिर गई डेढ़ से दो महीने की। अगर आप इसका रूटीन बना लेंगे तो शुरू में जरूर समय लगेगा। धीरे-धीरे इनकी संख्या कम होती चली जाएगी। इसके साथ ही आप इन कामों की मॉनिटरिंग भी करे। इससे आपको भी संतुष्टि मिलेगी और जनता के काम भी बहुत सुगमता से होते चले जाएंगे।

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का निधन

88 साल की उम्र में मृत्यु, फेफड़ों में इन्फेक्शन था

एजेंसी

नई दिल्ली। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया है। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। सोमवार रात 11.30 बजे वेटिकन में पोप का शव ताबूत में रखा जाएगा। उनके वेटिकन स्थित सेंट मार्था निवास पर कार्डिनल केविन जोसेफ फैरेल, पोप का शव ताबूत में रखेंगे। बुधवार को उनका शव सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा जा सकता है।

पिछले कई महीनों से पोप स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें14 फरवरी को रोम के जेमेली

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। हालांकि 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।

पोप फ्रांसिस 1300 साल में पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें पोप चुना गया था। पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने, सेम-सेक्स कपल्स को आशीर्वाद देने, पुनर्विवाह को धार्मिक मंजूरी देने जैसे बड़े फैसले लिए। उन्होंने चर्चों में बच्चों के यौन शोषण पर माफी भी मांगी थी।

देश के कई मंदिर, धार्मिक स्थल आतंकियों के राडार पर

एनआईए जांच में आईएसआईएस को लेकर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में खूंखार आईएसआईएस (आईएसआईएस) से जुड़े संगठनों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी की जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे में पता चला है कि, आईएसआईएस से जुड़े आतंकवादी संगठनों के सदस्य तमिलनाडु और केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में धार्मिक स्थलों और मंदिरों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जांच के मुताबिक, आतंकवादी संगठनों के सदस्य तमिलनाडु को इस्लामिक स्टेट बनाने के उद्देश्य से सलाफी-जिहादी विचारधारा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

खाने के पैसे मांगे तो पुलिसवालों ने ढाबा-मालिक को पीटा, 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

कान से निकाला खून, जबरन थाने भी लेकर गए

भिवाड़ी। पुलिस कर्मियों ने ढाबे पर खाना खाने के बाद जब मालिक ने पैसे मांगे तो उन्होंने उसकी जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, गुस्साए पुलिसकर्मी ढाबा मालिक को जबरन अपनी गाड़ी में डालकर थाने ले गए। आरोप है कि थाने में भी पुलिसकर्मियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने ढाबा मालिक के साथ दोबारा मारपीट की। हमले में ढाबा मालिक के सिर और कान से खून बहने लगा। हालात बिगड़ते देख अन्य पुलिस कर्मियों को बीच-बचाव करना पड़ा और घायल होटल मालिक प्रदीप को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामला रविवार रात को 10.30 बजे खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी का है।

मारपीट कर गाड़ी में डाला

इसके बाद पांचों पुलिसकर्मियों ने मेरे और मेरे वर्कर्स के साथ मारपीट शुरू कर दी। गाली गलौज करते हुए मुझे और मेरे मामा हुकमसिंह को जबरदस्ती गाड़ी में डाल दिया। थाने ले जाकर पुलिस कर्मियों ने थाना अधिकारी के केबिन के सामने ही सीढ़ियों पर पटक कर होटल मालिक को बुरी तरह पीटा।

तीन पुलिसकर्मियों ने शराब पीकर खाना खाया

ढाबा मालिक प्रदीप कुमार ने बताया- भिवाड़ी थाने के कॉन्स्टेबल शांतिलाल, समय सिंह और राम सिंह रविवार रात को 10.30 बजे के करीब फूलबाग स्थित हमारे दिलखुश ढाबे पर पहुंचे। तीनों पुलिसकर्मियों ने ढाबे के सामने गाड़ी में बैठकर शराब पार्टी की और उसके बाद शराब के नशे में खाना खाया। खाना खाकर जैसे ही जाने लगे तो मैंने पुलिस कर्मियों से खाने के 230 रुपए मांगे। तीनों पुलिसकर्मियों ने पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद मैंने छूट देकर 150 रुपए मांगे। इस पर पुलिसकर्मियों ने उखड़ते हुए बात की और मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिसकर्मी शांतिलाल ने भिवाड़ी थाने में गाड़ी ड्राइवर अमराराम को फोन किया। जिसके बाद पुलिस की गाड़ी से अमराराम अपने साथ थाने से एएसआई सुरेंद्र सिंह के साथ ढाबे पर पहुंचे।

सीढ़ियों से दे मारा सिर

होटल की मारपीट के वीडियो डिलीट करने के लिए कॉन्स्टेबल शांतिलाल ने टॉर्चर करते हुए मेरी गर्दन अपने पैरों के नीचे दबाई और मोबाइल के पासवर्ड पूछे। मोबाइल पासवर्ड लेकर बनाई हुई फोटो वीडियो डिलीट कर दी। कॉन्स्टेबल ने मेरा सिर सीढ़ियों में दे मारा। जिससे सिर और कान के पास गहरी चोट लग गई और खून बह निकला। मामला बढ़ता हुआ देख अन्य पुलिस कर्मियों ने बीच बचाव किया और मुझे अस्पताल ले गए, यहां प्राथमिक उपचार के बाद रात को छुट्टी दे दी।

डीएसपी को सौंपी जांच

भिवाड़ी एसपी ज्योष्ना मैत्रेयी ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही तुरंत प्रभाव से पांचों पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस कर्मचारियों की इस तरह की हरकत किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूरे मामले की जांच भिवाड़ी डीएसपी कैलाश चौधरी को सौंपी गई है।

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, प्रधानमंत्री आवास पर गर्मजोशी से किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस अपने उनके बच्चों के साथ नई दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय चर्चा होने की उम्मीद है।

इन दोनों नेताओं की चर्चा भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक, व्यापार और रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित हो सकती है। दोनों नेताओं की आधिकारिक बैठकों के बाद, उप राष्ट्रपति वेंस परिवार सहित जयपुर और आगरा का दौरा करेगा।

सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम गए वेंस

पीएम मोदी से मिलने से पहले वेंस, अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और अपने तीन बच्चों के साथ, सोमवार को नई दिल्ली के जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम गए, जहां उन्होंने पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प खरीदे।वहीं, वेंस ने स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का भी दौरा किया।

पालम एयरपोर्ट पर लैंड वेंस का विमान

अमेरिका के उपराष्ट्रपति 4 दिवसीय दौरे के लिए दिल्ली में हैं। इससे पहले वेंस का प्लेन दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जेडी वेंस और उनके परिवार का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया।

भाजपा ने साधा ममता पर निशाना और की मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से पश्चिम बंगाल में हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की खबरें आ रहीं हैं। विपक्षी दल भाजपा इस मामले में ममता सरकार पर हमलावर है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश जैसी स्थिति ला रही हैं। राज्य में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। लोगों को बांग्लादेश की स्थिति पता है। बनर्जी ने पहले ही पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश को लाइट वर्जन बना दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद हिंसा की एनआईए जांच की मांग की। उन्होंने कहा हम अपनी संस्कृति और धर्म को जीवित रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदू खतरे में हैं। इस तरह की क्रूर हत्या के लिए राज्य पुलिस पूरी तरह जिम्मेदार है।उन्होंने हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की भी आलोचना की। अधिकारी ने कहा कि अखिलेश यादव का बयान राजनीति से प्रेरित है।

इधर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने मालदा और मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। राहतकर ने कहा कि मैंने राज्यपाल को महिलाओं और बच्चों की स्थिति के बारे में बताया है। स्थिति बहुत गंभीर है। रहटकर ने कहा- हम पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास करेंगे और पश्चिम बंगाल सरकार को सिफारिशें करेंगे। हम उन महिलाओं और परिवारों के साथ खड़े होना चाहते हैं जो दर्द में हैं। शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि आयोग अपनी रिपोर्ट में उन सभी महिलाओं के बयान शामिल कर रहा है, जिन्होंने आपबीती सुनाई है। उन लोगों ने कहा कि बीएसएफ ने उनकी जान बचाई। उनके घर बचाए।

क्या पीएम मोदी कमजोर हो चुके हैं उनकी पकड़ अब सरकार और पार्टी पर नहीं?

-बीजेपी सांसद निशिकांत के बयान को लेकर पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री से किया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद थमा नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने निशिकांत के बयान को लेकर पीएम मोदी से सवाल किया है। उन्होंने कहा कि यह बिना पीएम की स्वीकृति के नहीं हो सकता है। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम अपने आप को बहुत मजबूत मानते हैं और उनके इशारे के बिना बीजेपी का कोई सांसद इस तरह की टिप्पणी कर नहीं सकता है। अगर यह उनकी स्वीकृति के बगैर हुआ है तो पीएम मोदी बहुत कमजोर हो चुके हैं। न उनकी अब सरकार पर पकड़ है और न ही पार्टी पर।

पवन खेड़ा ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि अगर पीएम मोदी की पार्टी पर अब भी पकड़ मजबूत है तो उन्हें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को बोलकर निशिकांत को कारण बताओ नोटिस जारी करवाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान पर सीधा हमला बोला है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, इससे पहले सभी ने देखा है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका पर टिप्पणी की। मैं पूछना चाहता हूं कि ये हमले कौन करा रहा है?

बता दें बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाता है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए उन्होंने सीजेआई पर भी टिप्पणी की थी। हालांकि, बीजेपी ने निशिकांत दुबे और पार्टी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट और देश के मुख्य न्यायाधीश पर दिए गए बयान से किनारा कर लिया है। दोनों नेताओं ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका पर सवाल उठाए थे।

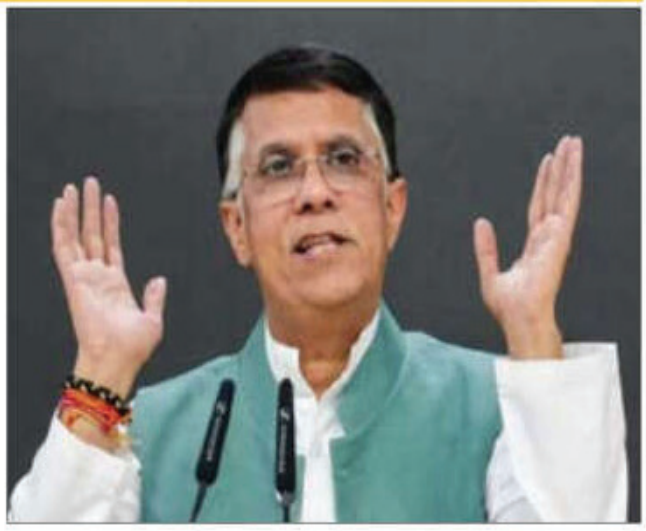

सोनिया, राहुल की प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए किया गया हमला, कांग्रेस लड़ेगी और विफल करेगी : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी तथा प्रतिष्ठा की धूमिल करने के मकसद से 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया। पूर्व वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सोनिया और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी और इसे नाकाम करेगी। चिदंबरम ने संवाददाताओं से बातचीत में 'नेशनल हेराल्ड' मामले का ब्यौरा दिया और सवाल किया, ''अपराध कहां है? कहां हैं अपराध की कमाई ? भ्रष्टाचार का पैसा कहां है? कहां है धनशोधन का अपराध?'' उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि पीएमएलए अदालत ने अभी तक ईडी की शिकायत (या आरोप पत्र) का संज्ञान नहीं लिया है।'' उन्होंने दावा किया कि बुनियादी बात यह है कि पैसे का कोई लेन-देन नहीं है। चिदंबरम का कहना था, ''पैसे के बिना 'अपराध की कमाई' नहीं होती, 'अपराध की आय' के बिना, कोई धनशोधन नहीं होता है। धनशोधन हुए बिना ईडी का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ईमानदारी और प्रतिष्ठा को निशाना बनाने के लिए सत्ता का खुला दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस मामले के तथ्यों से यह स्पष्ट है कि ईडी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई कर रही है।'' चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर इस राजनीतिक हमले का विरोध करेगी, लड़ेगी तथा इसे नाकाम करेगी। उन्होंने कि इस मामले में सत्य की जीत होगी और न्याय होगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन के लिए यहां एक विशेष अदालत में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

आप नहीं लड़ेगी मेयर का चुनाव, अब दिल्ली में होगी ट्रिपल इंजन की सरकार

आप नेता सौरभ ने कहा- अब बीजेपी को बिना बहाना बनाए काम करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में आगामी महापौर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। चुनाव 25 अप्रैल को होना हैं और सोमवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी तारीख है। आप ने ऐलान किया है कि वह मेयर पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करेगी क्योंकि पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में पर्याप्त संख्या नहीं है, जहां बीजेपी बहुमत में है। इसके साथ ही बीजेपी दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार स्थापित करने के लिए तैयार है जिसका नियंत्रण केंद्र, दिल्ली प्रशासन और अब एमसीडी पर भी होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने फैसला किया है कि इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेंगे। बीजेपी को अपना मेयर चुनकर अपनी स्थायी समिति बनानी चाहिए और बिना किसी बहाने के दिल्ली पर शासन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन से दिल्ली में एमसीडी चुनाव तय हुए हैं, तब से सत्ता हथियाने की बीजेपी की बेचैनी सबके सामने दिख रही है, चाहे वह चुनाव टालकर एकीकरण करना हो, या परिसीमन के नाम पर बीजेपी के लिए छोटे-छोटे वार्ड बनाना हो या फिर लगातार भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करके मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव जीतने की कोशिश करना हो। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी के पास केंद्र है, उनके एलजी हैं, उनकी दिल्ली सरकार है, और एमसीडी भी उनके पास होगी, इसलिए अब उन्हें दिल्ली की जनता के सामने कोई बहाना नहीं बनाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि दिल्ली में पूरा प्रशासन कैसे चलाया जाता है। हार झेलने के बाद एमसीडी में बीजेपी की ताकत 119 हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में कई आप विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। एमसीडी में मनोनीत सांसद और विधायक दोनों ही मेयर और डिप्टी मेयर के पदों के लिए होने वाले चुनावों में वोट देने के पात्र हैं। एमसीडी सचिव कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक निगम 25 अप्रैल को अपनी साधारण बैठक आयोजित करेगा। दोपहर 2 बजे मेयर और डिप्टी मेयर के लिए चुनाव कराया जाएगा।

हिमाचल में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, किसानों को मुआवजे की आस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में मौसम ने कई जगह नुकसान पहुंचाया है। बीते 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बारिश, तूफान, और ओलावृष्टि ने फसलों को बर्बाद किया है, हमीरपुर के भलेठ गांव में तूफान से पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई। मृतक संतोष कुमारी जंगल से लकड़ियां लेने गई थी कि घर से कुछ दूरी पर पेड़ की चपेट में आ गई।

ऊपरी शिमला के सेब बहुल इलाकों रोहड़ू, खड़ापत्थर, ठियोग, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू और चौपाल में भारी ओलावृष्टि ने सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। आजकल सेब में फूल रहे है लेकिन ओलावृष्टि से फूल झड़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की फसल भी बर्बाद हुई है।

वहीं सब्जी फूल उत्पादक संघ के अध्यक्ष ने मौसम से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि हर साल फसलों के नुकसान का आंकलन होता है, लेकिन मुआवजे के नाम पर कुछ नहीं मिलाता है। साथ ही, बीमा प्रक्रिया किसानों और बागवानों के हितों से खिलवाड़ करती है। जिला बिलासपुर व हमीरपुर में वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की फसल व फलदार पौधों को नुकसान हुआ। कांगड़ा जिले में वर्षा से गेहूं की फसल प्रभावित हुई। लाहौल स्पीति सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। हिमपात के कारण मनाली-जंस्कार मार्ग पर यातायात बंद है। शिंकुला में आधा फीट हिमपात होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। भारी वर्षा से लाहुल घाटी के तिंदी व जंगल कैंप के समीप नाले में बाढ़ आ गई। मौसम विभाग ने किसानों, बागवानों और यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और समय-समय पर अपडेट प्रदान कर रहा है।

‘केसरी 2’ ने निकाला एक तिहाई बजट...

4 दिन पार किया 50 करोड़ का आंकड़ा

अक्षय कुमार की कोर्टरूम ड्रामा ‘केसरी 2’ को रिलीज हुए पांच दिए हो चुके हैं. 18 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज हुई फिल्म हर रोज बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है. फिल्म को भारत के साथ-साथ दुनिया भर की ऑडियंस सराह रही है. यही वजह है कि रिलीज के 4 दिन के अंदर ही ‘केसरी 2’ ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर अब एक नया रिकॉर्ड बना लिया है. सैकनिल्क के मुताबक ‘केसरी 2’ ने पहले दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 15 करोड़ रुपए से खाता खोला था. दूसरे दिन भी फिल्म ने 15 करोड़ ही कमाए. वहीं तीसरे दिन फिल्म को संडे का फायदा मिला और इसने दुनिया भर में

19.45 करोड़ रुपए की कमाई की. अब चौथे दिन के कलेक्शन के साथ ‘केसरी 2’ ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है.

‘केसरी 2’ ने निकाला एक तिहाई बजट

‘केसरी 2’ ने चौथे दिन दुनिया भर में महज 6.85 रुपए बटोरे हैं. हालांकि चार दिनों मे अक्षय कुमार की फिल्म का कुल कलेक्शन 56.60 करोड़ रुपए हो गया है. इस कलेक्शन के साथ ‘केसरी 2’ ने अपना एक तिहाई से ज्यादा बजट निकाल लिया है. कई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ‘केसरी 2’ का बजट 150 करोड़ है. करण सिंह त्यागी के डायरेक्शन और धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म ‘केसरी 2’ में जलियांवाला बाद हत्याकांड और उसे लेकर छिड़ी कानूनी जंग की कहानी दिखाई गई है. फिल्म में अक्षय कुमार एडवोकेट सी शंकर नायर के किरदार में नजर आए हैं. फिल्म में अनन्या पांडे और आर माधवन भी लीड रोल में हैं. ‘केसरी 2’ को फिल्मी सितारों ने खूब सराहा है. विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, अर्जुन कपूर, वरुण धवन और अन्य हस्तियों ने ‘केसरी 2’ का रिव्यू किया है और फिल्म में अक्षय कुमार की परफॉर्मेंस की तारीफ की है. अक्षय कुमार के वर्कफ्रंट पर बात करें तो एक्टर के पास कई फिल्में लाइनअप है.

अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे ‘सैयारा’ से बॉलीवुड में करने जा रहे डेब्यू, जानें- कब रिलीज होगी ये फिल्म

यशराज फिल्म्स के बैनर तले कई सालों तक काम करने के बाद, एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर अहान पांडे बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं. अहान आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रेजेंट और मोहित सूरी निर्देशित रोमांटिक ड्रामा ‘सैयारा’ के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत करेंगे. फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा रोमांस करती नजर आएंगीं. वे इसेस पहले काजोल और आमिर खान के साथ सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं. बता दे कि अहान पांडे की अपकमिंग डेब्यू फिल्म सैयारा के साथ आदित्य चोपड़ा और मोहित सूरी पहली बार कोलैबोरेट कर रहे हैं. मोहित इससे पहले आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, मर्डर 2 और आवारापन जैसी सफल रोमांटिक थ्रिलर का निर्देशन कर चुके हैं. वहीं वाईआरएफ ने एक पोस्ट भी शेयर की है और फिल्म को एक इंटेंल लव स्टोरी बताया हुए अहान पांडे के डेब्यू की अनाउंसमेंट की है. साथ ही सैयारा की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. पोस्ट में लिखा है, ’’ उनकी लव स्टोरी किसी और जैसी नहीं है...अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा, 18 जुलाई, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी !

2026 में आपस में टकराएंगे... कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म नागजिला, वरुण धवन की भेड़िया से होगा क्लैश

हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 2 से फैंस के दिलों में खास जगह बनाने वाले अभिनेता कार्तिक आर्यन हर किसी के फेवरेट माने जाते हैं। 22 अप्रैल को कार्तिक की अगली फिल्म नागजिला की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निमार्ता फिल्मेकर करण जौहर हैं। फिल्म के साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठ गया है। लेकिन नागजिला के लिए बॉक्स ऑफिस की राह आसान नहीं रहेगी, क्योंकि वरुण धवन की मोस्ट अवेटेड मूवी भेड़िया 2 के साथ इस फिल्म का क्लैश होगा। आइए इस लेख में पूरा गणित समझते हैं।

धर्मा प्रोडक्शन की तरफ से इंस्टाग्राम हैंडल पर नागजिला का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया है। जिसमें कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए बताया है कि 14 अगस्त 2026 को ये मूवी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लेकिन नागजिला के लिए बॉक्स ऑफिस पर मामला आसान नहीं होगा। क्योंकि 14 अगस्त 2026 को मैडॉक फिल्म्स की तरफ से वरुण धवन की बहुचर्चित मूवी भेड़िया 2 को भी रिलीज किया जाएगा। ऐसे में आने वाले साल में बॉक्स ऑफिस आपको भेड़िया और नागराज की टक्कर देखने को मिलेगी। हालांकि, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि इन दोनों मूवीज में से बाजी कौन मारेगा। लेकिन इस बात की पूरी गारंटी है कि अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर फैंस को सिनेमा जगत की तरफ से अलग रोमांच देखने को मिलेगा। बता दें कि नागजिला की अनाउंसमेंट के बाद से सिनेप्रेमियों की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है।

एक गाना और 19 की उम्र में रातों- रात स्टार बन गई ये हसीना, फिर सालों के लिए हुई गायब, लौटी तो...

बॉलीवुड में स्टारडम का मतलब है मेहनत के साथ-साथ किस्मत का भी साथ होना। इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार आए, जो अपने पहले ही प्रोजेक्ट के साथ हर तरफ छा गए, लेकिन इस पॉपुलैरिटी को कायम नहीं रख पाए। आज हम आपको एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे जो 19 साल की उम्र में ही स्टार बन गई वो भी एक गाने के जरिए। एक्ट्रेस ने अपने एक गाने के साथ दर्शकों के बीच धूम मचा दी और आज भी इसे सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले गानों में से एक माना जाता है। लेकिन, ये अभिनेत्री अपने स्टारडम को कायम नहीं रख पाई।

ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि ‘कांटा लगा गर्ल’ के नाम से मशहूर शेफाली जरीवाला हैं। शेफाली जरीवाला ने साल 2002 में महज 19 साल की उम्र में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा था। शेफाली ने एक म्यूजिक एल्बम में काम किया था, जिसमें ‘कांटा लगा’ गाना भी था। जैसे ही यह गाना रिलीज हुआ, इसने दर्शकों के बीच सनसनी फैला दी। गाना रिलीज होते ही शेफाली रातों-रात स्टार बन गईं। हर कोई बस इस वायरल म्यूजिक वीडियो गर्ल के बारे में जानना चाहता था।

‘कांटा लगा’ गाने के बाद शेफाली ने कई टीवी शोज में काम किया और साथ ही साथ फिल्मों में भी नजर आईं। उन्होंने ‘मुझसे शादी करोगी’ (2004) और ‘हुडुगारू’ (2011) जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में छोटी लेकिन यादगार भूमिकाएं निभाईं। इसके साथ ही उन्होंने टीवी पर भी अपना नाम बनाया। सालों बाद अभिनेत्री बिग बॉस 13 में नजर आईं थी, जो रियेलिटी शो के इतिहास का सबसे हिट सीजन रहा। वह बूगी वूगी, नच बलिए 5 और नच बलिए 7 जैसे रियेलिटी शोज का भी हिस्सा रहीं। बिग बॉस 13 में हिस्सा लेने के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढ़ गई। शेफाली जरीवाला की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने म्यूजिक डायरेक्टर हरमीत सिंह से शादी की थी, लेकिन 2009 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद शेफाली ने 2014 में एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com